पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रधानमंत्री ने 5वें कौशल दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित किया

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के राष्ट्रीय टॉपर्स को सम्मानित किया

21वीं सदी का भारत कौशल और हुनर को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता, विकसित भारत के निर्माण में युवाओं का कौशल सबसे बड़ी ऊर्जा : प्रधानमंत्री

आई0आई0टी0 और आई0टी0आई0 दोनों देश की अमानत, सामर्थ्य और भविष्य वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्रतियोगिता–2027 ग्रेटर नोएडा, उ0प्र0 में आयोजित होगी

उ0प्र0 आज देश के विकास को गति दे रहा, उ0प्र0 एक्सप्रेस–वेज़ प्रदेश, ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण उ0प्र0 में हो रहा

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सुरक्षा का वातावरण बनाया, सुरक्षा का एहसास और समृद्धि का विश्वास ही विकसित भारत का निर्माण करेगा

सरकार ने एक दशक में लगभग 5,000 नये आई0टी0आई0 स्थापित किए, 30 से अधिक नए दौर के ट्रेडों की पढ़ाई हो रही, आई0टी0आई0 में विद्यार्थियों की संख्या में 05 लाख से अधिक की वृद्धि, छात्राओं की संख्या ढाई गुना से अधिक बढ़ी

पी0एम0–सेतु योजना में युवाओं के लिए 60,000 करोड़ रु0 खर्च किए जा रहे

21वीं सदी में अशिक्षित वह व्यक्ति नहीं होगा, जो पढ़ना–लिखना नहीं जानता, बल्कि वह होगा, जो सीखना, समय के अनुसार सीखी हुई बातों को छोड़ना और पुनः सीखना नहीं जानता : केन्द्रीय रक्षा मंत्री

युवाओं की स्किलिंग, री–स्किलिंग और अप–स्किलिंग लगातार होती रहे

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं प्रेरणा से देश में कौशल विकास का अभियान नई दिशा और गति प्राप्त कर रहा : मुख्यमंत्री, उ0प्र0

प्रधानमंत्री जी ने स्किल इण्डिया अभियान के माध्यम से युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप अवसर एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य किया

उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत विगत वर्षों में 17 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, इनमें से 07 लाख से अधिक युवाओं का कैम्पस सेलेक्शन

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अन्तर्गत 2.65 लाख से अधिक ग्रामीण युवक–युवतियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया, 1.23 लाख से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार उपलब्ध

प्रोजेक्ट प्रवीण से 1,700 से अधिक माध्यमिक विद्यालयों में 2.50 लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

प्रदेश के युवाओं को उभरती तकनीकों एवं इण्डस्ट्री 4.0 की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा

प्रदेश में टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 से अधिक राजकीय आई0टी0आई0 में आधुनिक ट्रेडों में प्रशिक्षण, 12,000 से अधिक युवाओं का कैम्पस सेलेक्शन

वर्ष 2026 में प्रदेश में आयोजित विभिन्न रोजगार मेलों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षित 50,000 से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार प्राप्त, इनमें 3,400 से अधिक दिव्यांग युवा शामिल

प्रत्येक जनपद में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एण्ड एम्प्लॉयमेण्ट जोन विकसित करने की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ रही

7.67 करोड़ युवा विभिन्न कौशल विकास योजनाओं से लाभान्वित : केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

लखनऊ : 21 नवम्बर, 2026

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत कौशल और हुनर को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं का कौशल सबसे बड़ी ऊर्जा है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आई0टी0आई0) में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के हुनर में देश का सामर्थ्य दिखायी देता है। भारत की विकास यात्रा में कौशलयुक्त युवाओं की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है और आने वाले समय में दुनिया में भारतीय कुशल कामगारों की माँग और बढ़ने वाली है।

प्रधानमंत्री जी आज यहाँ 5वें कौशल दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री जी ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के राष्ट्रीय टॉपर्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम में कौशल दीक्षान्त समारोह, पी0एम0 सेतु तथा देश की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रधानमंत्री जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज सुबह वह दिल्ली से बंगाल गए थे। वहाँ उनका पहला कार्यक्रम आई0आई0टी0 में था। देश के पहले आई0आई0टी0 खड़गपुर के 75 वर्ष पूर्ण होने के समारोह में शामिल होने के बाद वह जिस ऊर्जा, सपनों, आशाओं और उत्साह के साथ आई0आई0टी0 के विद्यार्थियों के बीच गए थे, उसी उमंग और उत्साह के साथ आई0आई0टी0 के विद्यार्थियों के बीच आए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई0आई0टी0) और आई0टी0आई0, दोनों ही देश की अमानत हैं। यही देश का सामर्थ्य और भविष्य हैं। आई0टी0आई0 के विद्यार्थियों का कौशल और हुनर विकसित भारत की ऊर्जा है। विकसित भारत का निर्माण उन्हीं के हाथों और उनके हुनर से होने वाला है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि कोई भी राष्ट्र अपने युवाओं के कौशल के आधार पर ही आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, अपने कौशल का विकास करने और पूरी मेहनत एवं सामर्थ्य के साथ उन सपनों को पूरा करने का आह्वान किया। वर्ष 2027 में भारत वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इस आयोजन में एशिया के विभिन्न देशों के युवा प्रतिभागी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में होगा और दुनिया के अनेक देशों के युवाओं की मेजबानी उत्तर प्रदेश करेगा। प्रधानमंत्री जी ने इस आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश को अग्रिम शुभकामनाएँ दीं।

प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश आज देश के विकास को गति दे रहा है। एक समय उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने अवसरों की बहुत कमी थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं श्री ब्रजेश पाठक, श्री पंकज चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने स्थिति को बदल दिया है। आज उत्तर प्रदेश के लोग गर्व से कहते हैं कि प्रदेश एक्सप्रेस–वे वाला प्रदेश है। यहाँ अनेक अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं, बड़ी–बड़ी यूनिवर्सिटीज बन रही हैं, पर्यटन का विस्तार हो रहा है और मोबाइल निर्माण की बड़ी फैक्ट्रियाँ स्थापित हुई हैं।

उत्तर प्रदेश में चिप निर्माण की फैक्ट्री बन रही है। ऑपरेशन सिन्दूर में दुश्मन की नींद उड़ाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण भी अब उत्तर प्रदेश में हो रहा है। प्रदेश में हो रहे इन विकास कार्यों से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। औद्योगिक विकास, आधुनिक आधारभूत संरचना, पर्यटन और विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार उत्तर प्रदेश को नई पहचान दे रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने काशी में अपने संसदीय क्षेत्र में एक फैक्ट्री के उद्घाटन के दौरान एक युवती से हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि उस युवती ने उन्हें बताया था कि वह रात 11 बजे भी फैक्ट्री में कार्य करने के बाद अकेले आराम से घर लौट जाती है। यह सामान्य बात नहीं है। उत्तर प्रदेश के लोगों को पता है कि सूरज ढलने के बाद बेटी का घर से बाहर निकलने का क्या अर्थ होता था। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सुरक्षा का वातावरण बनाया है। सुरक्षा का एहसास और समृद्धि का विश्वास ही विकसित भारत का निर्माण करेगा। आज युवाओं ने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है और अब वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से सीधे जुड़ने जा रहे हैं। आज का दिन उनके लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत हमेशा से कौशल का सम्मान करने वाला देश रहा है। लखनऊ की चिकनकारी, बारीक मलमल, बनारस और कांचीवरम का रेशम, कश्मीर की पश्मीना, सूती कपड़े, कलमकारी, श्रेष्ठ तलवारों के निर्माण में प्रयुक्त इस्पात तथा कांस्य

और पंचधातु की मूर्तियाँ भारत की समृद्ध कौशल परम्परा के उदाहरण हैं। भारत में सैकड़ों और अनगिनत प्रकार के कार्य तथा कौशल रहे हैं, जिन्हें एक व्यक्ति द्वारा गिनना भी सम्भव नहीं है। यह कौशल हमारे समाज के आधार स्तम्भ हुआ करते थे। लेकिन धीरे–धीरे इन व्यवस्थाओं का महत्व कम होता चला गया।

आज दुनिया भारत के युवाओं को माँग रही है। केवल विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त युवाओं की ही नहीं, बल्कि आई0टी0आई0 से प्रशिक्षित, कौशल और हुनर रखने वाले युवाओं की भी व्यापक आवश्यकता है। आने वाले 20 वर्षों में विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में कौशल अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा। 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है।

विगत वर्षों में सरकार ने 'श्रमेव जयते' की भावना से कौशल विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं। कौशल विकास के लिए अलग मंत्रालय की स्थापना की गई और कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई। पहले केवल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के दीक्षान्त समारोह होते थे, लेकिन उन्होंने निर्णय लिया कि आई0टी0आई0 के विद्यार्थियों का भी आन–बान–शान के साथ दीक्षान्त समारोह आयोजित होगा। उन्हें आई0टी0आई0 विद्यार्थियों की उंगलियों में भारत का भविष्य और उनके हुनर में हिन्दुस्तान का सामर्थ्य दिखायी देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में भी कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जब युवा कोई हुनर सीखता है, तो वह केवल मशीनों पर काम नहीं करता, बल्कि लोगों के जीवन को आसान बनाता है और देश का सामर्थ्य बढ़ाता है। एक समय भारत मोबाइल फोन आयात करता था, लेकिन आज भारत में मोबाइल फोन का निर्माण हो रहा है और भारत में बने मोबाइल फोन दुनिया के अनेक देशों में भेजे जा रहे हैं। देश की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने में कौशलयुक्त युवाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। इसी कारण आई0टी0आई0 को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

वर्ष 2014 के बाद सरकार ने एक दशक में लगभग 5,000 नई आई0टी0आई0 स्थापित की हैं। आई0टी0आई0 में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में 05 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। इनमें छात्राओं की संख्या ढाई गुना से अधिक बढ़ी है। आई0टी0आई0 में प्रशिक्षण की गुणवत्ता, फैकल्टी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पहले आई0टी0आई0 नेटवर्क पिछड़ रहा था और कौशल एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के नाम पर पुराने ट्रेड पढ़ाए जा रहे थे, लेकिन अब प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है।

आज आई0टी0आई0 में 30 से अधिक नए दौर के ट्रेडों की पढ़ाई होने लगी है। इनमें एयरोनॉटिकल स्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस असिस्टेण्ट, साइबर सिक्योरिटी

असिस्टेण्ट, ड्रोन टेक्नीशियन, ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नीशियन, इण्डस्ट्रियल रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एनीमेशन एवं स्पेशल इफेक्ट्स तथा सेमीकण्डक्टर टेक्नीशियन जैसे आधुनिक तकनीकी ट्रेड शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों को वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आई0टी0आई0 में शुरू किया गया है, ताकि युवा आधुनिक उद्योगों एवं तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकें।

किसी शहर में कितना ही बड़ा अस्पताल हो और वहाँ कितनी ही बड़ी डिग्री प्राप्त डॉक्टर उपलब्ध हों, लेकिन अस्पताल में स्थापित आधुनिक मशीनों को चलाने वाले आई0टी0आई0 प्रशिक्षित तकनीकी कामगार न हों, तो चिकित्सा व्यवस्था का संचालन सम्भव नहीं होगा। आई0टी0आई0 के प्रशिक्षित युवाओं के पास ऐसी ताकत है, जिसके बिना बड़े अस्पतालों और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन भी प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को उनकी इसी ताकत का एहसास कराने, उनके सामर्थ्य की पूजा करने और उनके हुनर को सम्मान देने के लिए आए हैं। उन्हें विश्वास है कि आई0टी0आई0 आने वाले भविष्य में गौरवपूर्ण गाथा लिखने वाला है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयास केवल भारत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए जा रहे हैं। भारत अनेक देशों के साथ व्यापार समझौते और मुक्त व्यापार समझौते (एफ0टी0ए0) कर रहा है। इन समझौतों से युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि आई0टी0आई0 के पाठ्यक्रम बदले जाएं, मशीनों को आधुनिक बनाया जाए, प्रशिक्षक नई तकनीक सीखें और प्रशिक्षण का उद्योगों से सीधा सम्बन्ध स्थापित हो। इस दिशा में पी0एम0–सेतु योजना के अन्तर्गत 60,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इससे युवाओं को व्यापक लाभ मिलने वाला है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि विगत 12–13 वर्षों में भारत में लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने इसे आजादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का रास्ता भी इसी उपलब्धि से होकर गुजरता है। सरकार ने गरीबों को सुविधाएँ उपलब्ध करायीं, उन्हें सशक्त बनाया और उनमें यह विश्वास पैदा किया कि वह गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। इस व्यापक अभियान में कौशलयुक्त कामगारों के लिए भी लाखों नए अवसर पैदा हुए हैं। जब 04 करोड़ गरीबों के घर बनाए गए, तो इलेक्ट्रिशियन, कारपेण्टर, राजमिस्त्री और अन्य कामगारों को रोजगार मिला। इसी प्रकार कहीं पानी की पाइपलाइन बिछाई गई, कहीं पहली बार बिजली पहुँचाई गई और इन सभी कार्यों को सफल बनाने में कौशलयुक्त युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देश में सौर ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी संख्या में कौशलयुक्त मानव संसाधन की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में युवाओं के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी कार्य, स्थापना, संचालन और रख–रखाव सहित विभिन्न प्रकार के रोजगार अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। देश में एक नई स्पोर्ट्स इकोनॉमी भी विकसित हो रही है। खेल उपकरण निर्माण, खेल से जुड़े सामान की इण्डस्ट्री, फिटनेस और स्पोर्ट्स ईको–सिस्टम में युवाओं के लिए व्यापक अवसर हैं। इन क्षेत्रों में कौशलयुक्त युवाओं के लिए नए रास्ते खुल रहे हैं और उन्हें इन अवसरों का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि युवाओं के सामने अवसरों का पूरा आसमान है। युवाओं को बड़े सपने देखने चाहिए, अपने कौशल का विकास करना चाहिए और उन सपनों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगानी चाहिए। युवाओं को कभी भी यह महसूस नहीं करना चाहिए कि वह अकेले हैं। जब भी उन्हें लगे कि वह अकेले हैं, तो उन्हें यह विश्वास रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री उनके साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री जी ने युवाओं से अपने माता–पिता के सपनों को पूरा करने, अपने जीवन में प्राप्त उपलब्धियों को समाज की शक्ति बनाने के लिए समर्पित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। युवा आगे बढ़ेंगे, तो देश आगे बढ़ेगा और उनके परिवार भी गौरव से भरेंगे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 21वीं सदी में अशिक्षित वह व्यक्ति नहीं होगा, जो पढ़ना–लिखना नहीं जानता, बल्कि वह होगा, जो सीखना, समय के अनुसार सीखी हुई बातों को छोड़ना और पुनः सीखना नहीं जानता। आज ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। तकनीक बदल रही है, उद्योग बदल रहे हैं, कार्य करने के तौर–तरीके बदल रहे हैं और रोजगार की प्रकृति भी तेजी से बदल रही है। ऐसे समय में केवल कौशल प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को निरन्तर अपडेट करना भी अत्यन्त आवश्यक है।

किसी भी देश की आर्थिक शक्ति केवल उसके संसाधनों, पूँजी अथवा तकनीकी क्षेत्र में विकास से निर्धारित नहीं होती, बल्कि देश की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों की क्षमताओं और कौशल में भी निहित होती है। नागरिकों की क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक मजबूत स्किल डेवलपमेण्ट ईको–सिस्टम का निर्माण किया गया है। कौशल विकास योजना प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच का उदाहरण है। प्रधानमंत्री जी ने बहुत पहले ही यह समझ लिया था कि विकसित भारत के निर्माण के लिए कौशल विकास को मिशन मोड में आगे बढ़ाना आवश्यक है। विगत 12 वर्षों में कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से कार्य हुआ है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि जून, 2026 तक प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत 1.64 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। वर्ष 2014

में देश में लगभग 9,800 आई0टी0आई0 थे, जिनकी संख्या बढ़कर आज लगभग 14,000 से अधिक हो गई है। इन आंकड़ों का महत्व केवल संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि कौशल विकास योजना के माध्यम से युवाओं के जीवन में आए परिवर्तन में इसका वास्तविक महत्व निहित है।

आज कौशल विकास का महत्व केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। इसका महत्वपूर्ण उदाहरण रक्षा उत्पादन क्षेत्र है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में स्वदेशीकरण को तेजी से बढ़ावा दे रही है। भारत को रक्षा उपकरणों और सैन्य तकनीक के निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ी संख्या में कुशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है। कौशल विकास से जुड़ी योजनाएँ इस आवश्यकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि युवाओं की स्किलिंग, री–स्किलिंग और अप–स्किलिंग समय की जरूरतों के अनुसार लगातार होता रहे। युवाओं को बदलती तकनीक, उद्योग और रोजगार की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित एवं सक्षम बनाना आवश्यक है, ताकि उनका कौशल विकसित हो और आत्मनिर्भरता उनके जीवन तथा राष्ट्र की प्रगति का मजबूत आधार बने।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रधानमंत्री जी के आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व एवं प्रेरणा से देश में कौशल विकास का अभियान नई दिशा और गति प्राप्त कर रहा है। उत्तर प्रदेश, देश का सबसे युवा प्रदेश है और यहाँ सर्वाधिक युवा निवास करते हैं। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता को सही मंच उपलब्ध कराना प्रदेश एवं देश के विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2015 में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने विज्ञान भवन से स्किल इण्डिया महाअभियान का शुभारम्भ किया था। इस अभियान का उद्देश्य दुनिया की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति भारत के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा उनके मन में व्याप्त हताशा एवं निराशा को दूर करना था। उन्होंने भारतीय मनीषा के उद्घोष 'अयोग्यः पुरुषो नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः' का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, बल्कि योग्य मार्गदर्शक एवं अवसर प्रदान करने वाला मिलना दुर्लभ होता है। प्रधानमंत्री जी ने स्किल इण्डिया अभियान के माध्यम से युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप अवसर एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य किया है।

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद कौशल विकास अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप लाखों युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के अवसर प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत विगत वर्षों में 17 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से 07 लाख से अधिक युवाओं को कैम्पस चयन के माध्यम से रोजगार एवं सेवायोजन प्राप्त कराने में सफलता मिली है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अन्तर्गत 02 लाख 65 हजार से अधिक ग्रामीण युवक–युवतियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा 01 लाख 23 हजार से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया कोरोना वैश्विक महामारी से प्रभावित थी, उस समय भी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने युवाओं एवं विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 लागू करने की दिशा में कार्य किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परम्परागत पाठ्यक्रम के साथ–साथ कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट प्रवीण प्रारम्भ किया गया। आज प्रदेश के 1,700 से अधिक माध्यमिक विद्यालयों में 2.50 लाख से अधिक विद्यार्थी इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश के युवाओं को उभरती तकनीकों एवं इण्डस्ट्री 4.0 की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। उद्योगों की बदलती माँग के अनुसार युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से लैस करना समय की आवश्यकता है। प्रदेश में टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 से अधिक राजकीय आई0टी0आई0 में ए0आई0, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स, 3–डी प्रिण्टिंग एवं उद्योगों की माँग के अनुरूप आधुनिक ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इन संस्थानों से प्रशिक्षित 12,000 से अधिक युवाओं को कैम्पस चयन के माध्यम से रोजगार प्राप्त हुआ है।

वर्ष 2026 में प्रदेश में आयोजित विभिन्न रोजगार मेलों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षित 50,000 से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार प्राप्त हुआ है। इनमें 3,400 से अधिक दिव्यांग युवा भी शामिल हैं, जिन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास का व्यापक नेटवर्क उपलब्ध है। इस नेटवर्क को एकीकृत कर प्रत्येक जनपद में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एण्ड एम्प्लॉयमेण्ट जोन विकसित करने की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ रही है। इन स्किलिंग एवं एम्प्लॉयमेण्ट जोन के माध्यम से युवाओं को एक ही छत के नीचे कौशल प्रशिक्षण, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्षता विकास तथा राष्ट्रीय एवं वैश्विक

बाजार की माँग के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विजन देशवासियों के सामने रखा है। जब भारत अपनी आजादी का शताब्दी महोत्सव मनाएगा, तब देश में प्रत्येक चेहरे पर खुशहाली, हर युवा के हाथ में रोजगार, प्रत्येक अन्नदाता किसान की आत्मनिर्भरता, प्रत्येक श्रमिक को सम्मानजनक मानदेय तथा महिलाओं की समाज में नेतृत्वकारी भूमिका सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। वर्ष 2047 के आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की सबसे मजबूत आधारशिला स्किल इण्डिया से प्रशिक्षित युवा बनने जा रहे हैं। कौशलयुक्त युवा अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम से देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, नवाचार एवं विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कौशल दीक्षान्त समारोह में प्रधानमंत्री जी से मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने वाले प्रदेश तथा देश के विभिन्न आई0टी0आई0 के युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को आधुनिक कौशल, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ने का अभियान निरन्तर आगे बढ़ता रहेगा। युवाओं की प्रतिभा को उचित मंच प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है।

केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयन्त चौधरी ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता के पीछे युवा शक्ति का सामर्थ्य होता है। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में अपनी पहचान बनाने वाले छात्र–छात्राओं के सम्मान के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उत्सव प्रदेश बन चुका है। युवा बेटियाँ यदि अपने कौशल विकास पर ध्यान दें, तो उनके लिए वैश्विक स्तर पर अवसरों की अपार सम्भावनाएँ हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट 'रीइमेजिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत@2047' में भी कौशल विकास के प्रयासों का उल्लेख किया गया है। इसके मुताबिक, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के गठन के बाद वर्ष 2014–15 से अब तक 07 करोड़ 67 लाख युवाओं को कौशल विकास योजनाओं का लाभ मिल चुका है।

इस अवसर पर केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री द्वय श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, खाद्य एवं रसद मंत्री श्री मनोज पाण्डेय, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल देव अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-PM-Kaushal Deekshant Samaroh-21 November, 2026